वाणिज्य में स्नातक
(बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2023–24

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2023 से 30th जून 2024

पंचम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2023–24

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । खण्ड - क में वर्णनात्मक पांच प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं। खण्ड - ख में पांच लघु प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 6 अंक के हैं। खण्ड - ग में दो अतिलघु प्रश्न दिए गए हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 5 अंक के हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसंबर 2023 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें अक्टूबर 2023 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो जून 2024 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे उसको 15 मार्च 2024 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. जी. -171**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.जी.-171/टी. एम. ए./2023- 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. उत्पादन संभावना वक्र की अवधारणा को समझाइये। इसकी मान्यताएँ की गणना किजिये तथा इसे एक उदाहरण की सहायता से स्पष्ट किजिये। **(10)**

2. यथार्थ मूलक और आदर्शक अर्थशास्त्र के बीच अंतर बताइए। आप इनमें से किसे उत्तम मानते हैं और क्यों? **(10)**

3. कुल, औसत और सीमांत उत्पाद की सहायता से परिवर्तनीय अनुपात के नियम की व्याख्या किजिये। **(10)**

4. उदाहरण सहित समझाइये पीछे की ओर झुका हुआ पूर्तिवक्र क्या है? **(10)**

5. पूर्ण प्रतियोगिता की स्थितियों में किसी उद्योग के अल्पावधि संतुलन की व्याख्या करें। **(10)**

खण्ड – ख

6. इकाई लोचदार मांगवक्र के सन्दर्भ में बतायें। **(6)**

7. किसी वस्तु की पूर्ति की लोच के मुख्य निर्धारक क्या हैं? **(6)**

8. कीमत निर्धारित करते समय सरकारी हस्तक्षेप के विभिन्न साधनो को कैसे लागू किया जा सकता है? **(6)**

9. संयुक्त लाभ अधिकतमीकरण क्या है? अल्पाधिकार के अंतर्गत इसे किस प्रकार प्राप्त किया जाता है? **(6)**

10. कार्यात्मक वितरण को परिभाषित करें और इसे व्यक्तिगत वितरण से अलग करें। **(6)**

खण्ड – ग

11. अनधिमान वक्र विचारधारा की मान्यताएँ क्या हैं? **(5)**

12. मौद्रिक मजदूरी और वास्तविक मजदूरी की अवधारणाओं पर चर्चा करें। **(5)**

13. समोतपाद वक्र के लक्षण क्या हैं? **(5)**

14. लगान के रिकार्डियन सिद्धांत पर चर्चा करें। **(5)**